हुई है। 13 जुलाई को राज्य सभा में एक लिखित प्रश्न के जवाब में विद्युत राज्य मंत्री, श्री भरतसिंह सोलंकी ने बताया था कि 6 जुलाई, 2009 तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार देश के 78 प्रतिशत कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों में, 31 संयंत्रों में सिर्फ 7 दिन का कोयला बचा हुआ है। अब आप इससे समझ लीजिए कि वहां क्या स्थिति है, क्योंकि सिर्फ 7 दिनों का कोयला बचा हुआ है और 10 संयंत्रों की स्थिति यह है कि वहां सिर्फ 4 दिनों का कोयला बचा हुआ है। यह मैं नहीं कह रहा हूं, बल्कि भारत सरकार के विद्युत राज्य मंत्री कह रहे हैं। पूरे देश को 22 मिलियन टन कोयले की आवश्यकता आज है, जब कि सामान्य उपलब्धता आज 11.55 मिलियन टन ही है। आज Nalco की 12 यूनिटें बंद कर दी गई हैं। Nalco को प्रतिदिन 15,000 टन कोयले की जरूरत है, वहां हम केवल 10,000 टन कोयला दे पाते हैं। मध्य प्रदेश के NTPC ताप विद्युत गृह में भी दक्षता से कम कोयला सप्लाई हो रहा है। इसी प्रकार कहलगांव प्लांट और फरक्का प्लांट में भी कोयले की कमी है, वहां कुल 10 दिनों का कोयला बचा है। 1,340 मेगावाट वाले संजय गांधी ताप विद्युत गृह Birsinghpur, मध्य प्रदेश में सिर्फ 2 दिनों का कोयला बचा है। यदि हम इन सारी चीजों को देखें, तो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, दिल्ली के आस-पास NCR क्षेत्र में, और बिहार के मुजफ्फरपुर में कांटी प्लांट सहित सारे प्लांटों में कोयले की बहुत कमी है। क्या हम देश को अंधकार में धकेलना चाहते हैं? इस देश में अस्पताल चलेंगे या नहीं चलेंगे? इस देश में बच्चे पढ़ेंगे या नहीं पढ़ेंगे? क्या हम इस देश को फिर से लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं? हमें समझ में नहीं आता कि कोयले की इतनी कमी के बावजूद किसी को इस बारे में चिंता क्यों नहीं है? आज 9-9 घंटे, 10-10 घंटे, 20-20 घंटे बिजली जा रही है। बिहार में तो बिजली के बारे में बातचीत ही नहीं होती। वहां कहा जाता है कि जो चीज बनती ही नहीं है, उसके लिए क्या कहा जाए? गांवों में अंधकार है, लोगों को बिजली कब मिलेगी? आज आजादी के 62 सालों के बाद भी यदि हमें लालटेन युग में जाना पड़ रहा है, तो हमें सोचना पड़ेगा कि हम अपने देश को super power computer country कहें या न कहें? हम देश को कौन सी 21वीं सदी में ले जाना चाहते हैं? मुझे लगता है कि पूरे सदन को इस पर विचार करना चाहिए और सरकार को इस पर चिंता करनी चाहिए। यह बहुत सेंसिटिव मामला है। कोयले की कमी के कारण भारत को अंधकार युग में नहीं ले जाना चाहिए।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश): मैं अपने को इस विषय के साथ सम्बद्ध करती हूं।

श्री रुद्र नारायण पाणि (उड़ीसा): मैं अपने को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): मैं अपने को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

कुछ माननीय सदस्य: हम अपने को इस विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

Situation arising due to strike in Darjeeling called by GJMM

श्री समन पाठक (पश्चिमी बंगाल): डिप्टी चेयरमैन सर, मैं आपके माध्यम से सरकार और इस सदन का ध्यान दार्जिलिंग की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। महोदय, अलग राज्य की मांग को लेकर गोरखा जनमुक्ति मोर्चा द्वारा चलाए गए आंदोलन से दार्जिलिंग का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त होने लगा है। बिना कारण बंद बुलाना, सड़कों को अवरुद्ध करना, स्कूल-कॉलेजों को अनिश्चित काल के लिए बंद कर देना और चाय बागानों को बंद कर देना, जो दैनिक मजदूर है, उनकी डेली की रोजगार व्यवस्था को बंद कर देना - जिस तरह से अनिश्चितकालीन बंद वहां किए जा रहे हैं, इनके कारण जनसाधारण को काफी असुविधा हो रही है।

सरकारी कार्यालय बंद पड़े हैं। जनता को बुनियादी सुविधाएं, वहां पर जो infrastructure development है, उसको भी रोक दिया गया है, इसलिए वहां की जनता विकास कायोर्ं से भी वंचित हुई है। कोई भी सरकारी रेवेन्यू (राजस्व) देने पर अभी प्रतिबंध लगा है। जो साधारण जनता रेवेन्यू देना चाहती है, उसको भी रोका जा रहा है। उसका बिजली का बिल, टेलीफोन का बिल, ऐसा बहुत सारा जो गवर्नमेंट का रेवेन्यू है, वह सब बंद कर रखा है। विपक्षी पार्टियों को लगातार धमकियां देते हैं, उनको सरेंडर कराते हैं, इस तरह का जो माहौल दार्जिलिंग में पैदा हो गया है, इससे जनसाधारण के साथ ही साथ वहां का गणतांत्रिक माहौल भी नष्ट हो रहा है। हाल ही में एक ठेके को लेकर दो गुटों के बीच संघर्ष हुआ, जिसको नियंत्रण करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। इस लाठीचार्ज को issue बनाकर कल से दार्जिलिंग में अनिश्चितकालीन बंद कर दिया गया है। इस हालत में वे विद्यार्थियों के स्कूल-कॉलेज और वहां के जो पर्यटक हैं, जो आय का सोर्स हैं, इसको क्षति पहुंचा रहे हैं। इसलिए महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि इस तरह के आंदोलन के चलते, पहाड़ी क्षेत्र ही नहीं, तराई और आस-पास के इलाकों पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है, जैसे कि वह रूट बंद होने से अभी सिक्किम प्रभावित है। सड़क बंद है। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि दार्जिलिंग सीमावर्ती क्षेत्र होने के नाते यह सिर्फ एक स्टेट की ही प्रॉब्लम नहीं है, इसमें सेंट्रल गवर्नमेंट भी involve हो और राज्य सरकार से बात करके दार्जिलिंग की समस्या का हल खोजने के लिए राज्य सरकार, केंद्र सरकार और गोरखा मुक्ति मोर्चा की त्रिपक्षीय बैठक जल्द से जल्द हो और वहां एक राजनीतिक समाधान निकले, यही मैं कहना चाहता हूं।

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): I associate myself with the issue raised by Shri Saman Pathak.

SHRI MOINUL HASSAN (West Bengal): I associate myself with the issue raised by Shri Saman Pathak.

SHRI O.T. LEPCHA (Sikkim): I associate myself with the issue raised by Shri Saman Pathak.

SHRI R.C. SINGH (West Bengal): I associate myself with the issue raised by Shri Saman Pathak.

SHRI TARINI KANTA ROY (West Bengal): I associate myself with the issue raised by Shri Saman Pathak.

SHRI SYED AZEES PASHA (Andhra Pradesh): I associate myself with the issue raised by Shri Saman Pathak.

Sale of illict liquor in Gujarat causing death of many persons

श्री राजीव शुक्ल (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदय, मैं एक बेहद गंभीर मुद्दा उठा रहा हूं। .....(*) ...(**व्यवधान**)... वहां मॉक असेंबली शुरू करनी पड़ रही है। ...(**व्यवधान**)...

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI ARUN JAITELEY): Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*... In a federal polity in cannot be raised in the House.

श्री राजीव शुक्ल: चीफ मिनिस्टर आज तक ...(**व्यवधान**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): ये क्या कह रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

(*) Expunged as ordered by the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Chairman has permitted. ...*(Interruptions)*...

श्री राजीव शुक्ल: चीफ मिनिस्टर आज तक वहां पर ...(**व्यवधान**)... जहां पर 165 लोग मारे गए हैं, चीफ मिनिस्टर आज तक वहां नहीं जा पा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It has been permitted. It has been admitted. ...*(Interrup-tions)*... I cannot undo what the Chairman has accepted. ...*(Interruptions)*...

श्री राजीव शुक्ल: मान्यवर, विधायकों को ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All that has been taken into consideration. The Chairman has accepted it....*(Interruptions)*... आप बोलिए, राजीव जी। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्ल: यह काउंसिल ऑफ स्टेट्स है। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I cannot overrule what the Chairman has accepted. ...*(Interruptions)*...

श्री राजीव शुक्ल: अगर कहीं डेमोक्रेटिक राइट्स दिए जा रहे हैं ...(**व्यवधान**)... अगर कहीं डेमोक्रेटिक राइट्स का हनन हो रहा है, तो कैसे आप यह कर सकते हैं? ...(**व्यवधान**)...

*(*) ...(**व्यवधान**)...*

SHRI ARUN JAITLEY: Even if it is permitted that a matter relating to the internal functioning of a State legislature is discussed in the Parliament.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I cannot overrule the decision of the hon. Chariman. Approval of Zero Hour submissions is the prerogative of the hon. Chairman. He has permitted it. I cannot overrule. ...*(Interruptions)*... I cannot overrule that ...*(Interruptions)*... I am sitting in the Chair. Zero Hour submissions have been accepted by the Chair. ...*(Interruptions)*... You have given a number of rulings ...*(Interruptions)*... There is no doubt ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, how can he raise the issues of State Legislature here? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Zero Hour notice has been accepted by the hon. Chairman ...*(Interruptions)*...

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): आपने बंगाल विधान सभा की, तमिलनाडु विधान सभा की चर्चा यहां पर अलाऊ नहीं की है। ...(**व्यवधान**)... तृणमूल के लोग डिमांड करते रहे, आपने अलाऊ नहीं किया। ...(**व्यवधान**)... यह गलत परम्परा शुरू हो रही है। ...(**व्यवधान**)... यह कांग्रेस पार्टी ...(**व्यवधान**)... यह गलत परम्परा शुरू हो रही है। यह नहीं चलेगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: शुक्ल जी, आपने जो बोलना है, बोल दीजिए। उसके बाद वक्त हो गया तो मैं दूसरे ...(**व्यवधान**)...

DR. (SHRIMATI) NAJMA HEPTULLA (Rajasthan): Sir, how can he raise such a matter here? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You listen ...*(Interruptions)*... Zero Hour notices are accepted by the hon. Chairman ...*(Interruptions)*... It is the prerogative of the hon. Chairman. ...*(Interruptions)*...

(*) Expunged as ordered by the Chair.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: But, how can he raise that? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am not saying what you are saying is wrong ...*(Interruptions)*... I am not saying ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: Sir let me just caution this House, through you, tommorow State Legislature Speakers will allow the functioning of this House to be discussed in the State Assemblies. You are destroying the Federal structure by allowing this Zero Hour submission.

श्री उपसभापति: आप बोल दीजिए। ...(**व्यवधान**)... बस हो गया। ...(**व्यवधान**)...

SHRI ARUN JAITLEY: Such a Zero Hour submission is contrary to every Constitutional and norms of Parliament. ...*(Interruptions)*...

श्री राजीव शुक्ल: हमारी बात ही नहीं हो पायी। ...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: आपने अपनी बात कह दी, अब क्या कह रहे हैं? ...(**व्यवधान**)... आपने जो कहना था, कह दिया। ...(**व्यवधान**)... I cannot say that ...*(Interruptions)*.... वह सारा एक्सपंज कीजिए।

श्री राजीव शुक्ल: कुछ एक्सपंज नहीं होगा। क्यों विधान सभा पर ...(**व्यवधान**)...

SHRI ARUN JAITLEY: Sir, it is a very bad precedent . ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, you kindly go through the Zero Hour admission. It is about the huge tragedy that had taken place ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Oh! I did not listen this in the din ...*(Interruptions)*... It is regarding sale of illicit liquor. Please confine yourself to the sale of illict liquor ...*(Interruptions)*... I am sorry. I did not see that list. I thought that he has been menitoning about that ...*(Interruptions)*... You have to raise it only with regard to illict liquor. ...*(Interruptions)*...

SHRI ARUN JAITLEY: Thank you, Sir ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Shukhla, you have not been permitted to raise other matters. You have been permitted to raise only the matter relating to illict liquor.

श्री राजीव शुक्ल: सर, वहां पर एक बेहद गंभीर घटना हुई है जिसमें जहरीली शराब की वजह से 165 लोगों की मृत्यु हो गयी, 200 लोगों की आंखों की रोशनी चली गयी, 500 लोग अस्पताल में हैं और 7000 लोग अब तक पकड़े गए हैं। इसका मतलब है कि अगर 7000 लोग नकली दारू बेच रहे थे, शराब बेच रहे थे तो कितना बड़ा नेटवर्क स्टेट में चल रहा था, प्रोहिबिशन के बावजूद ...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड): शराब बेचने वाले नहीं, पीने वाले ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: उन्हें बोलने दीजिए। अब आप खामोश रहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्ल: और जो मुख्य अपराधी है, वह भाग गया। कल ही यह खबर आयी है कि मुख्य अपराधी भाग गया है। सर, यह चीफ मिनिस्टर के अपने चुनाव क्षेत्र की घटना है लेकिन अब तक मुख्य मंत्री जी वहां गए तक नहीं हैं। वे मुम्बई पहुंच जाते हैं, जब वहां पर कुछ हमला होता है। दूसरे राज्यों में पहुंच जाते हैं, जहां हमला होता है और

टीवी पर बाइट देते हैं। अपने चुनाव क्षेत्र में आज तक मुख्य मंत्री नहीं गए, जहां पर यह गंभीर घटना हुई है। आप यह देखिए कि यह कितनी बड़ी बात है। अगर वहां पर का कोई इस बात को उठाना चाहते हैं तो उन्हें मॉक असेंबली लगानी पड़ रही है, आज पूरे जिले में मॉक असेंबली हो रही है, जहां पर कांग्रेस के विधायक अपनी बात कह रहे हैं। (*) इस प्रकार मामला इतना गंभीर है। ...(**व्यवधान**)... मेरी मांग है कि ...(**व्यवधान**)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, what is this? This should not go on record. *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, what is this? *...(Interruptions)...* Can he discuss the conduct of the Presiding Officer of the Assembly?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will look into it and remove it *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, can he discuss the conduct of the Presiding Officer of the Assembly here? *...(Interruptions)...*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: He is making mockery of democracy *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापति: आप लेजीश्लेचर की बात यहां पर मत कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्ल: मेरी मांग है कि ...(**व्यवधान**)... राज्य के मुख्यमंत्री ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: राजीव शुक्ल जी, आप असेंबली की बात मत कीजिए। We cannot discuss it here. *...(Interruptions)...* We cannot discuss Gujarat Assembly here *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, we want a ruling on that *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापति: मैं बता रहा हूं।

श्री एस.एस. अहलुवालिया: आपके बोलने के बावजूद ...(**व्यवधान**)... I want a ruling on this *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापति: मैं बता रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... I have told him not to mention about Assembly *...(Interruptions)...*

श्री एस.एस. अहलुवालिया : मेरी बात सुनिए। आपके बोलने के बावजूद उन्होंने कहा कि ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It will not go on record *...(Interruptions)...*

श्री एस.एस. अहलुवालिया: मेरी बात सुनिए। आपके बोलने के बावजूद उन्होंने का कि ...(**व्यवधान**)... The conduct of the Assembly and the Presiding Officer cannot be discussed here *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, if something is going on record which cannot be mentioned will be removed from the record *...(Interputions)...* I will remove that *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Can we discuss the conduct of the Presiding Officer of the Assembly in the House? *...(Interruptions)...*

(*) Expunged as ordered by the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is not discussing that ...(Interrputions)... पाणि जी, आप बैठिए।

श्री राजीव शुक्ल: सर, मॉक असेंबली।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is saying Mock Assembly, not the Assembly.

श्री राजीव शुक्ल: सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि यह जिम्मेदारी गुजरात सरकार के गृह मंत्रालय की है, इसलिए वहां की सरकार को इस्तीफा देना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

डा. प्रभा ठाकुर (राजस्थान): महोदय, मैं समर्थन करती हूं।

श्री प्रवीण राष्ट्रपाल (गुजरात): महोदय, मैं समर्थन करता हूं।

प्रो. अलका क्षत्रिय (गुजरात): सर, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री धर्म पाल सभ्रवाल (पंजाब): सर, मैं भी इससे एसोसिएट करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Next, Shri Veer Pal Singh.

श्री एम. वेंकैया नायडु: वे चिदम्बरम जी से इस्तीफा मांग रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: चिदम्बरम जी का नहीं है।

श्री एम. वेंकैया नायडु: उन्होंने गृह मंत्री कहा है। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will look into it. ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, with your permission, I would like to assoicate myself with the seriousness of the issue and would request the Members and also the country not to politicise the issue. I have figures for the last seven years. In every Congress-ruled State, a number of people have died. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have called Shri Veer Pal Singh.†Ö¯Ö बोलिए, I have called the next speaker ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... Please sit down. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... आप बोलिए। Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*... अलका जी, आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... शुक्ल जी, आप बैठिए। Please sit down. Please sit down. ...*(Interruptions)*...Mr. Veer Pal Singh. ...*(Interruptions)*...Nothing is going on record.

Building of bunkers by Pakistan on India-Pakistan border

श्री वीर पाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा इस सदन के माध्यम से देश के सामने रखना चाहता हूं। कल ही सीमा सुरक्षा बल के स्पेशल डी.जी. की प्रेस कांफ्रेस हुई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और हिन्दुस्तान की जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा है, उस पर बांध की आड़ में कंक्रीट के बंकर बनाए जा रहे हैं और चौकियां भी स्थापित की जा रही हैं। महोदय, यह देश की सुरक्षा का सवाल है। हम, आप, यह सदन और देश की जनता तभी सुरक्षित रह सकते हैं जब यह देश सुरक्षित रहेगा। हमारे पड़ोसी देश की ओर से एक बार नहीं, कई बार कहीं गोलीबारी की जाती है, कहीं बंकर स्थापित किए जाते हैं, कहीं चौकियां स्थापित की जाती हैं तथा पाकिस्तान इस तरह से लगातार सीमा पर कुछ न कुछ करता ही रहता है। उनका यह भी बयान है कि